



# स्वतंत्रता दिवस पर विशेष

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं



अरुण कुमार नगायच

पर्व मण्डल नगर महामंडी पार्षद वीजेपी वार्ड नं 3 नगर पालिका पर्वई

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

मंदू श्रीवास्तव भारतकर पाउडेल  
भारतीय जनता पार्टी बुवा मोर्चा भारतीय जनता पार्टी बुवा मोर्चा  
मण्डल अध्यक्ष पर्वई मण्डल जिला अध्यक्ष पन्ना

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

प्रतीक तामकार डब्बू मिश्रा  
भारतीय जनता पार्टी मण्डल भारतीय जनता पार्टी बुवा मोर्चा  
महामंडी पर्वई जिला अध्यक्ष पन्ना

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

अरिविलेश उपाध्याय मोहिनी आनन्द मिश्रा  
सीईओ अध्यक्ष जनपद पंचायत पर्वई जनपद पंचायत पर्वई

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

विनीत नगायच बसंत दहायत  
सीएमओ अध्यक्ष नगर पालिका पर्वई नगर पालिका पर्वई

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

नीतेश पटेल बालवंश पटेल  
वन परिक्षेत्र अधिकारी दक्षिण वन मण्डल पर्वई

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं



त्रिलोक सिंह इज़ुद्दीन खान भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, कटनी

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं

सुश्री निधि पटेल ज्योति पटेल  
भारतीय जनता पार्टी मण्डल अध्यक्ष पर्वई

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं



रुद्र प्रताप बाग्री बघान भाजपा अध्यक्ष वार्ड नं. 4 नगर पालिका पर्वई

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं



राजेंद्र वैश्य



संचालक पर्यावर कान्वेंट पब्लिक स्कूल जनकपुर बुडवा ब्लॉक ब्लौहरी जिला शहडोल मप्र।

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं



शिवाकांत तिवारी



बीसी इंडियन बैंक एम मां शारदा जैविक कृषि भंडार युनियन बैंक के सामने ब्लौहरी उचित दर पर खाद बीज मिलता है एवं निशुल्क खाते खोले जाते हैं 9644309685

स्वतंत्रा दिवस की समस्त देशवासियों को हार्दिक शुभकामनाएं



रामेश्वर पाल अियाप्पा, विजय पाल सचिव



मां चंडिका जन विकास समिति भोलहरा ब्लौहरी-शहडोल

स्वतंत्रा दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं



कार्यालय नगर परिषद कैमोर, जिला-कटनी(म.प्र.)



15 अगस्त 2025 (स्वतंत्रा दिवस) के समरोह पर नगर परिषद कैमोर समस्त राज्यानीय नगरवासियों को हार्दिक अभिनन्दन करती है तथा देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, अमर शहीदों को शत्-शत् नमन करते हुए अपका करती है कि-

- स्वच्छ भारत अभियान को सफल बनाने में अपने नगर को सच्च व सुंदर रखने हेतु सहाया प्रदान करें, घरों से निकला कुड़ा काकट निर्धारित स्थान पर रखे हुए कचरा दाने हीं डालें।
- अपने घरों के नलों में टोंटी अनिवार्य रूप से लाएं, पानी व्यवहार न बनाएं।
- नगर परिषद कैमोर को प्राप्त होने वाले करों से ही विकास कार्य संसदित करए जाएं हैं, अतः नगर परिषद का कर सही समय पर जमा कर विकास कार्य में सहयोग देने।
- प्रत्येक परिवार से एक-एक वृक्ष अवश्य लायें।

पार्श्वगण

श्रीमति मनीषा अंजय शर्मा (पूर्व अियाप्पा), श्री उमेश शर्मा, श्रीमति ऋत्वा नवते, श्रीमति अनिता कौल, श्री वीनेन्द्र सिंह, श्रीमति विनाया कौल, श्री सुरेश पटेल, श्रीमति शार्दीय यादव, श्री राजेश नारायण पाण्डेय, श्री शशीकल खान (उर्फ़ टेलरी), श्रीमति अनीता सेन, श्रीमति इत्यावती वेगम, श्री वीनेन्द्र कुमार वेगा।

( श्रीपति पलक नमित गोवर ) ( श्री संघोप केवट ) ( श्री मनीष परते )  
अध्यक्ष नगर परिषद कैमोर उपाध्यक्ष नगर परिषद कैमोर मु.न.पा.अधिकारी नगर परिषद कैमोर

## स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं

**इंजी.नबाब खान**  
**जिला अध्यक्ष भाजपा**  
**अल्पसंख्यक मोर्चा, कटनी**



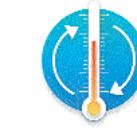
11 राज्य 31 संस्करण



सूर्य उदय - अस्त

05.37 अस्त : आज

06.35 उदय : कल



शहर का  
तापमान

34.6 ° अधिकतम

24.4 ° व्यूनतम

03

मध्य प्रदेश • उत्तर प्रदेश • दिल्ली • हरियाणा • उत्तराखण्ड • पंजाब • जम्मू-कश्मीर • बिहार • झारखण्ड • हिमाचल प्रदेश • पश्चिम बंगाल से प्रकाशित

**स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएँ**

देश का नं. 1 सीमेंट

हम अनेक, सोच अनेक,  
पर इरादा सिर्फ़ एक  
निमणि एक मज़बूत भारत का

अल्ट्राटेक सीमेंट लिमिटेड यूनिट सीधी सीमेंट  
अल्ट्राटेक सीमेंट लि. सीधी वर्क्स मङ्गिगांव, पोर्ट आफिस भरतपुर

79  
HAPPY INDEPENDENCE DAY

## ग्राम पंचायत मोहनी की ओर से समस्त जिले वासियों को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक बधाई



श्रीमती उर्मिला सिंह

सरांच, ग्राम पंचायत मोहनी

शिवेन्द्र बहादुर सिंह

समाजसेवी ग्राम पंचायत मोहनी

JAYPEE GROUP  
जय प्रकाश वेन्वर्स लिमिटेड की एक इकाई  
स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर  
समस्त देशवासियों को  
**हार्दिक शुभकामनाएँ**

वर्क्स कार्यालय निगरी

जे.पी. निगरी सुपर थर्मल पावर प्लाट  
ग्राम व पोर्ट - निगरीतहसील - सरई,  
जिला - सिंगराली म.प्र. - 486 669

वर्क्स कार्यालय अमिलिया

जे.पी. अमिलिया (नार्थ) कोल माइन्स  
ग्राम - मङ्गली-पोर्ट - बंधा  
तहसील - देवसर, जिला - सिंगराली  
(म.प्र.) - 486 886



## स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. एस.बी. खरे

सिविल सर्जन जिला विकित्सालय सीधी

## स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. दीपारानी इसरानी

स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला विकित्सालय सीधी

## स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. एस.बी. खरे

सिविल सर्जन जिला विकित्सालय सीधी

## स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. दीपारानी इसरानी

स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला विकित्सालय सीधी

## स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. एस.बी. खरे

सिविल सर्जन जिला विकित्सालय सीधी

## स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. दीपारानी इसरानी

स्त्री रोग विशेषज्ञ जिला विकित्सालय सीधी

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

श्री गणेश गुप्त औफ इंस्टीट्यूट सीधी  
श्री गणेश सीनियर सेकेन्ड्री स्कूल सीधी  
नीरज शर्मा, संचालक  
कमला कॉलेज, पड़ा सीधी

पूनम-संजीव तिवारी  
संचालक लक्ष्मीपति हांडा एजेन्सी, सीधी

प्रताप गैस की ओर से आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

अजय पाण्डे  
समाजसेवी  
नगर पालिका ऑफिस के बगल में सीधी

रवी सिंह  
मैनेजर  
शासकीय आवासीय आदेश स्कूल टमसार

मेसर्स संतोष कांस्ट्रक्शन  
संविदाकार, जिला-सीधी

मेसर्स मां पीताम्बरा कंपनी  
संविदाकार, रीवा म.प्र.

मेसर्स बजरंगी कांस्ट्रक्शन  
संविदाकार, सतना म.प्र.

श्री राजस्थान मिष्ठान भण्डार सीधी की ओर से

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सीधी में स्थापित प्रतिष्ठान  
श्री राजस्थान भानु काप्लेक्स नया बस स्टैंड के पास सीधी  
परिहार होटल पुराना बस स्टैंड सीधी  
राजस्थान मिष्ठान भंडार गायत्री  
काप्लेक्स सीधी

सेवा सहकारी समिति रामपुर नैकिन की ओर से

आप सभी को स्वतंत्रता दिवस की हार्दिक शुभकामनाएँ

सुहाकर मिश्रा  
विक्रेता, अगड़ा एवं रघुनाथपुर  
विष्णुदेव मिश्रा  
समिति प्रबंधक  
सेवा सहकारी समिति मर्यादा, रामपुर नैकिन

स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. सुदर्शन मंडल  
झलवार, जिला - सीधी म.प्र.

स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

डॉ. गोविन्दा विश्वास  
पटपारा, जिला - सीधी म.प्र.

स्वतंत्रता दिवस

की समस्त देशवासियों को  
हार्दिक शुभकामनाएँ

कपिल सिंह  
विन्यास कृषि सेवा केन्द्र सीधी

15TH AUGUST

जिय हिंदू

शम्भूनाथ त्रिपाठी, प्राचार्य  
शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय सीधी  
जिला - सीधी म.प्र.

15TH AUGUST

जिय हिंदू

अभिषेक उपाध्याय, थाना प्रभारी  
थाना यातायात सीधी म.प्र.

15TH AUGUST

जिय हिंदू

पुष्पराज मिश्रा  
सरांच विद्यालय सीधी  
थाना यातायात सीधी (म.प्र.)

15TH AUGUST

जिय हिंदू

लालचंद गुरु, अर्याक  
जिला व्यापारी संघ सीधी

सौजन्य:- मिश्रा बीज भंडार पुराना  
बस स्टैंड सीधी (म.प्र.)

कमल कामदार  
अर्याक





संस्थापक ▶ गुरुदेव गुप्त

संपादकीय

## आजादी के मायने...

**आ** जादी यानि की स्वतंत्रता किसी व्यक्ति का सिर्फ वैसार्गिक हक नहीं बल्कि वैतिक उत्तरदायित्व भी है, जिसका गिरवहन अपरिहर्य है। दरअसल, स्वतंत्रता एक बहुआयामी अवधारणा है। सामाज्य और पर स्वतंत्रता की प्राकृतिक अवधारणा सरल एवं सहज लगती है, एक हड़तक लुभावनी भी, लेकिन विना अनुशासन तथा वैतिक उत्तरदायित्व के यह अराजकता तथा असमानता की विधिति उत्पन्न कर सकती है। अतः जिसके पास सत्ता-शक्ति तथा साधन हैं वह दूसरे के जीवन, स्वास्थ्य तथा जरिमा का ध्यान रखे गए अपनी स्वतंत्रता का गलत इत्तेमाल कर सकता है। अतः कोई नागरिक अपनी व्यक्तिगत स्वतंत्रता के कारण अराजक विधिति न उत्पन्न कर सके इसके लिए राज्य द्वारा व्यक्ति की स्वतंत्रता के विषय बनाये जाते हैं तथा इसे नागरिक तथा राजनीतिक अधिकार के रूप में अभिव्यक्त किया जाता है। राज्य द्वारा विधिति किया गया व्यक्ति की स्वतंत्रता का नियम कोई प्रवृत्ति नहीं है बल्कि उसे समानता, प्रतिबद्धता, सहिष्णुता और सदृश्यता जैसे मूल्यों से युक्त करता है।

महान दानाचक लोगों के अनुसार 'कानून परे समुदाय की सामाजिक इच्छा की अभिव्यक्ति है।' हड़तक व्यक्ति कानून का पालन कर अपनी इच्छा का ही पालन करता है।' यहीं से स्वतंत्रता के साथ वैतिक दायित्व का जुड़ाव प्रारंभ होता है। प्रत्येक व्यक्ति का यह वैतिक कर्तव्य है कि उसकी विजी खत्रत्रा से किसी दूसरे के जीवन, स्वास्थ्य, स्वतंत्रता या सम्पत्ति को बुक्साना न पहुंचे। प्रत्येक व्यक्ति स्वतंत्र है किंतु नियमों, वैतिक एवं समानता की उपेक्षा की शर्त पर नहीं।

देश के पहले प्रधानमंत्री और 'आजादीकरन अधिकार के निर्माता' पंडित जवाहर लाल नेहरू का एक बड़ा मशहूर कथन है-'अराजकता की विधिति में स्वतंत्रता का महत्व नहीं होता। स्वतंत्रता अनुशासन का पालन करती है।' दरअसल, सच्ची स्वतंत्रता एक अनुशासित ढंग में ही संभव है, और भारत का संविधान इसका सबसे बड़ा उत्तरण है। यह हमें बहुत सारे मोलिक अधिकार देता है लेकिन साथ ही अन्यरकों के लिए कुछ करती भी विधिति तक होता है। समस्या तब पैदा होती है जब राज्य या व्यक्ति द्वारा विषय को अपने विधिति स्वार्थ की आतिर नजरअंदाज किया जाता है।

आज अराजकता का एक नया और खत्रत्राक रूप डिजिटल दुनिया में दिखाई देता है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्मों पर फर्जी खबरों और घुणाल्द भाषणों का आनियरिट प्रसार एक प्रकार की बैटिक अराजकता पैदा होती है। इस माहाल में, हर कोई कुछ भी कहने के लिए स्वतंत्र है, लेकिन यह स्वतंत्रता समाज में धूमिकरण और अविश्वास का जहां घोल रही है। जब भीड़ विना सोचे-समझे किसी अफवाह पर विश्वास करके हिंसक हो जाती है और कभी-कभी तो यह हत्या तक कर डालती है (मौखिकियाँ), तो यह उस अराजकता का वीभत्त रूप है जहां व्यक्ति की जीवन की सुरक्षा और व्याय पाने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है।

दरअसल, हमें यह समझना होगा कि स्वतंत्रता का अर्थ मनमानी करना नहीं, बल्कि जिम्मेदारी के साथ अपने अधिकारों का उपयोग और उत्तरदायित्वों का विधिति करना है। अराजकता, यह वह सदृश्यों पर हो या सोशल मीडिया पर, हमारी कई मेहनत से अर्जित स्वतंत्रता को नष्ट कर देती है। एक मजबूत, प्रगतिशील और वास्तव में स्वतंत्र भारत का निर्माण तभी संभव है, जब प्रत्येक नागरिक (वाहे वह सामाजिक व्यक्ति हो या सेवानिक पदों पर बैठे लोग) अनुशासन को एक बोझ के रूप में नहीं, बल्कि अपनी और दूसरों की स्वतंत्रता की रक्षा के लिए एक आवश्यक उपकरण के रूप में अपनायेगा।

## जागरण विचार

## भारत @ 79: आर्थिक विकास की यात्रा और भविष्य की चुनौतियां

स्वतंत्रता दिवस विशेष

डॉ. रितु माथुर

**ज** ब्रह्मता के 15 अगस्त 1947 को आजादी कानून की, तब देश का आर्थिक ढांचा कमज़ोर था, कृषि-प्रधान अर्थव्यवस्था पर निर्भरता थी और औद्योगिक आधार सीमित था। लेकिन वीते 79 वर्षों में भारत ने एक कमज़ोर, गरीबी-ग्रस्त राष्ट्र से लेकर विश्व की सबसे बड़ी और तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने तक एक लंबी और उल्लेखनीय यात्रा की है। यह सफर न सिर्फ आर्थिक सूचकांकों में, बल्कि सामाजिक, तकनीकी और वैश्विक पहचान के स्तर पर भी अहम बदलाव लेकर आया।

1947 में भारत की जीडीपी लगभग 2.7 लाख करोड़ रुपए (वर्तमान मूल्य में) थी और प्रति व्यक्ति आय मात्र 265 रुपए के आसपास थी। औद्योगिक उत्पादन का योगदान सीमित था और कृषि में कम उत्पादकता एक बड़ी चुनौती थी। उस समय के राजनीतिक नेतृत्व ने दूरदर्शिता और अपनी क्षमताओं के आधार भविष्य की ओर चली थी। तत्कालीन सरकार ने पर्यावरणीय योजनाओं के माध्यम से भारी उद्योग, कृषि सुधार और बुनियादी ढंगे पर व्यापार के द्वितीय किया। भारती-नांगल जैसी सिंचाई परियोजनाएं, भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) जैसे उच्च शिक्षा केंद्र, और इस्पात कारखानों की स्थापना इसी दौर की उपलब्धियां हैं। 1960 के दशक में खाद्यान्न की कमी से ज़ज़ाते भारत ने हरित क्रांति का रास्ता अपनाया। उन्नत बीज, सिंचाई सुविधाएं और उर्वरकों के उपयोग से 1970 के दशक में भारत ने खाद्यान्न उत्पादन में 1,362 मीलीयाँ रुपए (वर्तमान में 10 लाख मीलीय रुपए) लगभग 50 मिलियन टन था, जो 2023-24 में बढ़कर 330 मिलियन टन से अधिक हो गया। यह न केवल खाद्य सुरक्षा की गारंटी बना, बल्कि इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिली।

व्यापार के लिए दरवाजे खोले गए। 1990-91 में भारत की जीडीपी लगभग 2.7 लाख डॉलर थी, जो 2024 में बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। सेवा दोनों, विशेष रूप से आईटी और बीपीओ उद्योग, जो भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई और विधिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। स्वतंत्रता के समय भारत में बिजली उत्पादन शक्ति के बड़ी गिरावंटी और अविश्वास का जहां घोल रही है। जब भीड़ विना सोचे-समझे किसी अफवाह पर विश्वास करके हिंसक हो जाती है और कभी-कभी तो यह हत्या तक कर डालती है (मौखिकियाँ), तो यह उस अराजकता का वीभत्त रूप है जहां व्यक्ति की जीवन की सुरक्षा और व्याय पाने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है।

व्यापार के लिए दरवाजे खोले गए। 1990-91 में भारत की जीडीपी लगभग 2.7 लाख डॉलर थी, जो 2024 में बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। सेवा दोनों, विशेष रूप से आईटी और बीपीओ उद्योग, जो भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई और विधिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। स्वतंत्रता के समय भारत में बिजली उत्पादन शक्ति के बड़ी गिरावंटी और अविश्वास का जहां घोल रही है। जब भीड़ विना सोचे-समझे किसी अफवाह पर विश्वास करके हिंसक हो जाती है और कभी-कभी तो यह हत्या तक कर डालती है (मौखिकियाँ), तो यह उस अराजकता का वीभत्त रूप है जहां व्यक्ति की जीवन की सुरक्षा और व्याय पाने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है।

व्यापार के लिए दरवाजे खोले गए। 1990-91 में भारत की जीडीपी लगभग 2.7 लाख डॉलर थी, जो 2024 में बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। सेवा दोनों, विशेष रूप से आईटी और बीपीओ उद्योग, जो भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई और विधिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। स्वतंत्रता के समय भारत में बिजली उत्पादन शक्ति के बड़ी गिरावंटी और अविश्वास का जहां घोल रही है। जब भीड़ विना सोचे-समझे किसी अफवाह पर विश्वास करके हिंसक हो जाती है और कभी-कभी तो यह हत्या तक कर डालती है (मौखिकियाँ), तो यह उस अराजकता का वीभत्त रूप है जहां व्यक्ति की जीवन की सुरक्षा और व्याय पाने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है।

व्यापार के लिए दरवाजे खोले गए। 1990-91 में भारत की जीडीपी लगभग 2.7 लाख डॉलर थी, जो 2024 में बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। सेवा दोनों, विशेष रूप से आईटी और बीपीओ उद्योग, जो भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई और विधिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। स्वतंत्रता के समय भारत में बिजली उत्पादन शक्ति के बड़ी गिरावंटी और अविश्वास का जहां घोल रही है। जब भीड़ विना सोचे-समझे किसी अफवाह पर विश्वास करके हिंसक हो जाती है और कभी-कभी तो यह हत्या तक कर डालती है (मौखिकियाँ), तो यह उस अराजकता का वीभत्त रूप है जहां व्यक्ति की जीवन की सुरक्षा और व्याय पाने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है।

व्यापार के लिए दरवाजे खोले गए। 1990-91 में भारत की जीडीपी लगभग 2.7 लाख डॉलर थी, जो 2024 में बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। सेवा दोनों, विशेष रूप से आईटी और बीपीओ उद्योग, जो भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई और विधिति में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। स्वतंत्रता के समय भारत में बिजली उत्पादन शक्ति के बड़ी गिरावंटी और अविश्वास का जहां घोल रही है। जब भीड़ विना सोचे-समझे किसी अफवाह पर विश्वास करके हिंसक हो जाती है और कभी-कभी तो यह हत्या तक कर डालती है (मौखिकियाँ), तो यह उस अराजकता का वीभत्त रूप है जहां व्यक्ति की जीवन की सुरक्षा और व्याय पाने की स्वतंत्रता समाप्त हो जाती है।

व्यापार के लिए दरवाजे खोले गए। 1990-91 में भारत की जीडीपी लगभग 2.7 लाख डॉलर थी, जो 2024 में बढ़कर 4 ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो गई है। सेवा दोनों, विशेष रूप से आईटी और बीपीओ उद्योग, जो भारत को वैश्विक स्तर पर पहचान दिलाई और विधिति म











